अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष – 2025

रिपोर्ट: **सहकारिता साक्षरता शिविर (Cooperative Literacy Camp)**

कार्यक्रम का नाम: **सहकारिता साक्षरता शिविर (Cooperative Literacy Camp)**

आयोजक: जिला विकास प्रबंधक (DDM), नाबार्ड, देवघर

स्थान: झारखंड स्टेट को-ऑपरेटिव बैंक (JStCB), जसीडीह शाखा, देवघर

तिथि: 29/08/2025

प्रतिभागी: देवघर प्रखंड के 11 प्राइमरी एग्रीकल्चरल क्रेडिट सोसाइटीज़ (PACS).

उद्घाटन सत्र:

शिविर का उद्घाटन जिला विकास प्रबंधक (DDM), JStCB की जसीडीह शाखा के शाखा प्रबंधक, तथा चयनित PACS के अध्यक्षों एवं सचिवों द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। उद्घाटन सत्र में सहकारिता आंदोलन की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, इसकी भूमिका और महत्ता पर प्रकाश डाला गया

प्रमुख विषयवस्तु पर परिचर्चा:

1. भारत में सहकारिता का गौरवशाली इतिहास:

भारत में सहकारिता आंदोलन की जड़ें "वसुधैव कुटुंबकम्" जैसे सांस्कृतिक मूल्यों में समाहित हैं। प्रतिभागियों को स्वतंत्रता पूर्व और स्वतंत्रता पश्चात सहकारिता के विकास क्रम से अवगत कराया गया।

2. सहकारिता के सात अंतर्राष्ट्रीय सिद्धांत:

प्रतिभागियों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर स्वीकृत सात सिद्धांतों की जानकारी दी गई, जिनमें शामिल हैं:

- स्वैच्छिक एवं खुली सदस्यता
- लोकतांत्रिक नियंत्रण
- आर्थिक भागीदारी
- स्वायत्तता एवं स्वतंत्रता
- शिक्षा, प्रशिक्षण एवं सूचना
- सहकारिताओं में सहयोग
- समुदाय के प्रति उत्तरदायित्व

3. भारत में सहकारी समितियों के प्रकार:

प्रमुख सहकारी मॉडलों का परिचय उदाहरणों सहित दिया गया:

- क्रेडिट व बैंकिंग: PACS, अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक
- डेयरी: अमूल, सुधा (COMFED)
- कृषि एवं उर्वरक: इफको, कृभको
- आवास: त्रिप्लिकेन अर्बन को-ऑपरेटिव सोसाइटी
- विपणन एवं उत्पादक: NAFED, अमूल
- कर्मचारी आधारित सहकारी: केरल दिनेश (बीड़ी श्रमिक

भारत सरकार की नवीनतम पहलें:

प्रतिभागियों को सहकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा "सहकार से समृद्धि" के उद्देश्य से शुरू की गई विभिन्न योजनाओं व सुधारों की जानकारी दी गई, जिनमें शामिल हैं:

- मॉडल उपविधियाँ
- PACS कम्प्यूटरीकरण (चरण I एवं II)
- प्रत्येक पंचायत में बहुउद्देश्यीय PACS, डेयरी व मत्स्य सहकारी समितियों की स्थापना
- विकेंद्रीकृत खाद्यान्न भंडारण योजना
- PACS को CSC, ईंधन डीलर, जन औषधि केंद्र, पीएम किसान समृद्धि केंद्र बनाना
- FPO/FFPO का गठन
- PACS को माइक्रो एटीएम व रूपे KCC जारी करने की सुविधा
- पीएम-कुसुम योजना का PACS स्तर पर क्रियान्वय

विशेष सत्र – **PACS** कम्प्यूटरीकरण (चरण-**II**):

- पहले चरण की सफलता को साझा किया गया।
- द्वितीय चरण में चयनित PACS को डाटा माइग्रेशन, डिजिटल प्लेटफॉर्म पर संचालन व प्रशिक्षण संबंधी जानकारी प्रदान की गई।

नाबार्ड एवं राज्य सरकार की योजनाएं:

नाबार्ड द्वारा सहकारिता क्षेत्र के विकास हेतु संचालित योजनाओं की जानकारी दी गई। साथ ही राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही सहकारी योजनाओं पर भी चर्चा की गई।

समापन सत्र एवं प्रेरणादायक उदाहरण:

शिविर के समापन सत्र में सफल सहकारी संस्थाओं की प्रेरणादायक कहानियाँ साझा की गईं:

- अमूल, इंडियन कॉफी हाउस
- झारखंड की मॉडल PACS
- नाबार्ड द्वारा MSC व CDF योजनाओं के अंतर्गत समर्थित PACS

निष्कर्ष:

यह सहकारिता साक्षरता शिविर प्रतिभागी PACS प्रतिनिधियों के लिए एक ज्ञानवर्धक, तकनीकी रूप से सक्षम और नीति-प्रेरित मंच सिद्ध हुआ। इससे उन्हें सहकारी क्षेत्र में नवाचार, शासन और प्रबंधन के क्षेत्र में अद्यतन जानकारी प्राप्त हुई तथा वे भविष्य की योजनाओं के लिए बेहतर रूप से तैयार हो सके।

फोटो विवरण

Co-operative Bank Limited
COOPERATIVE LITERACY CAMP